

कूनो में फिर गूँजी किलकारी, जन्मे पाँच नए चीता शावक



राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपाल: मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनों राष्ट्रीय उद्यान में चीता परियोजना के तहत सोमवार को एक और उपलब्धि दर्ज हुई। भारतीय धरती पर जन्मी 32 माह की मादा चीता केजेपी-21 ने पांच स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इनमें 41 चीते भारतीय धरती पर जन्मे हैं।

केजेपी-21, भारत में जन्मे चीते केजेपी-12 और मुखी के बाद भारतीय धरती पर शावकों को जन्म देने वाली तीसरी मादा चीता है। इस उपलब्धि को देश में चीता संरक्षण एवं पुनर्स्थापना के प्रयासों की सफलता और नई पीढ़ी के विस्तार की दिशा में

महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर चीता परियोजना से जुड़े वन्य अधिकारी, पशु चिकित्सक, मैदानी अमले, प्रबंधन टीम और सभी सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इनके समर्पण, प्रतिबद्धता और अथक प्रयासों से भारत में चीता पुनर्स्थापना की यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है।

केजेपी-21 के पाँचों शावकों के पिता बोत्सवाना से लाया गया नर चीता है। इनके जन्म के साथ भारत में बोत्सवाना वंशावली की शुरुआत हुई है। इससे देश में बढ़ती चीता आबादी में नई आनुवंशिक वंशावली का समावेश हुआ है।

सहकारी ऋण व्यवस्था को किसान हित में सरल बनाया जा रहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत बलराम कृषि महोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को कृषि उपज मंडी, चंगेरा, नीमच में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए नीमच के किसानों से सीधा संवाद किया। उन्होंने किसानों से कृषि गतिविधियों, शासन की किसान हितैषी योजनाओं से मिल रहे लाभ, कृषि क्षेत्र में नवाचार और उनकी आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि

नीमच जिला उन्नत कृषि, आधुनिक खेती और कृषि व्यापार के क्षेत्र में प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। जिले में अश्वगंधा, इसबगोल, तुलसी, सतावरी, चिरायता, आंवला, बहेरा और नीम सहित विभिन्न औषधीय फसलों का उत्पादन होता है। चिया, सीड, लहसुन, मेथी और धनिया सहित अनेक कृषि उत्पादों के उत्पादन एवं व्यापार में भी नीमच की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों और 11 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में किसान और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकने अधिकारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मध्यप्रदेश में बाल विवाह की रोकथाम को और प्रभावी बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों का राज्य स्तरीय क्षमतावर्धन किया जा रहा है।

विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से 6 अक्टूबर को आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, बाल विवाह के मामलों में प्रभावी कार्रवाई तथा अन्य संबंधित कानूनों के साथ इसके जुड़ाव पर अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरीया करेंगी। इसमें महिला एवं बाल विकास, सामान्य प्रशासन, रायस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारी और अधिसूचित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी शामिल होंगे।

समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए 3 लाख पंजीयन

नप्र, भोपाल : खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन के लिए पंजीयन प्रक्रिया जारी है। अब तक 3 लाख 5 हजार 82 किसानों ने पंजीयन कराया है। किसान 10 अक्टूबर तक पंजीयन करा सकते हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से निर्धारित समय में पंजीयन कराने का आग्रह किया है। पंजीयन व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1100 से अधिक पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। जबलपुर संभाग में 1 लाख 47 हजार 824, नर्मदापुरम में 16 हजार 398, भोपाल में 8 हजार 599, रीवा में 94 हजार 384, शहडोल में 21 हजार 456 और सागर संभाग में 16 हजार 155 किसानों ने पंजीयन कराया है।

श्रद्धांजलि अर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख पंथ के संस्थापक और प्रथम गुरु, गुरु नानक देव के ज्योति ज्योत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि गुरु नानक देव ने दया-करुणा-परोपकार और सेवा के माध्यम से विश्व कल्याण का मार्ग दिखाया।

मध्यप्रदेश देश की फूड बास्केट बन चुका है : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि विभाग ने प्रदेश में किसानों के कल्याण और सशक्तीकरण का उदाहरण प्रस्तुत किया है। अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और समर्पण से मध्यप्रदेश देश को फूड बास्केट बन चुका है।

कृषि विभाग के कर्मचारी पारंपरिक खेती से लेकर तकनीकी नवाचार और उद्योग तक किसानों के साथ काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को रवींद्र भवन में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के पदोन्नत शासकीय सेवकों द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ने कहा कि कृषि विभाग की टीम सरकार की योजनाओं और नीतियों को फाइटों से निकालकर खेत की मेड़ों तक पहुंचाती है। प्रदेश के विकास में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक साथ 3 हजार 357 शासकीय सेवकों को पदोन्नति का लाभ दिया है। इनमें किसान कल्याण एवं कृषि विभाग के 1 हजार 725, मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के 1 हजार 439, कृषि अभियांत्रिकी के 149, बीज प्रमाणीकरण के 36 और बीज निगम के 8



कृषि विभाग के अंतर्गत 1,500 पदों पर नई भर्ती पूरी की जाएगी

कर्मचारी शामिल हैं। इस अवसर पर 44 युवाओं को सहायक वर्ग-3 के पद पर अनुकंपा नियुक्ति के पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों में पदोन्नति के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक हर वर्ष कराई जाएगी। इस वर्ष कृषि

विभाग के अंतर्गत 1,500 से अधिक पदों पर नई भर्ती पूरी की जाएगी। अगले वर्ष एक लाख से अधिक पदों पर भर्ती का लक्ष्य है। कार्यक्रम में कृषि मंत्री एलल सिंह कषाना, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरूक मतदाताओं की भागीदारी जरूरी

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का अद्यतन, पारदर्शी और विश्वसनीय होना बेहद जरूरी है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके तहत मतदाता सूची का सत्यापन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर किसी भी तरह के भ्रम या अफवाह पर ध्यान नहीं दें। फॉर्म-6 और घोषणा-पत्र सहित पूरी प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई है। सही जानकारी के लिए केवल निर्वाचन आयोग की आधिकारिक जानकारी और निर्धारित प्रक्रिया पर ही विश्वास करें। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं से अपील की कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवा अपना नाम मतदाता सूची में अश्वय दर्ज कराएं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से भी मतदाता सूची में अपने नाम की पुष्टि करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक जागरूक मतदाता

मेहगांव में सेवा सेतु शिविर, 105 पंजीयन

नप्र, भोपाल : मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने रामलीला मैदान, मेहगांव में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सेवा सेतु शिविर लगाया। शिविर में उपभोक्ताओं को योजना, सॉलर डि और सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना की जानकारी दी गई। इस दौरान 105 उपभोक्ताओं ने सोलर रूफटॉप के लिए पंजीयन कराया। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने नागरिकों से घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने की अपील की। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम में जुड़े और योजना का लाभ लेने का आह्वान किया।

खंडेलवाल का कार्यकर्ताओं से संवाद, सेवा कार्यों में लिया हिस्सा

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान कर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का किया आह्वान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने सोमवार को रीवा और मऊगंज जिले के प्रवास के दौरान सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा कार्यों में सहभागिता की।

उन्होंने संगठनात्मक बैठकों को संबोधित करने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से संवाद कर उनका सम्मान किया। मऊगंज के शगुन मैरिज गार्डन और रीवा के संभागीय कार्यालय में जिला बैठक तथा ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और



कन्या पूजन से किया गया। श्री खंडेलवाल ने कार्यकर्ताओं से भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान

किया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास, जनधन, आयुष्मान, उज्ज्वला

और फसल बीमा जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से गरीबों, किसानों और महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है।

उन्होंने 7 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम में प्रत्येक कार्यकर्ता की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में योगदान देने का आह्वान किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के साथ स्वस्थ समाज की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। रीवा की बैठक को उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने भी संबोधित किया।

आश्रमों की सुरक्षा पर साध्वी हर्षानंद ने उठाए सवाल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: महिलाओं से अकेले धाम नहीं आने की बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की अपील के बाद साध्वी हर्षानंद गिरि ने आश्रमों में सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए हैं। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी संत, आश्रम या बागेश्वर धाम का नाम नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि यदि किसी आश्रम के संत अपने सेवादाारों पर भरोसा नहीं कर सकते और महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने से इनकार करते हैं,



तो श्रद्धालुओं को वहां जाने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने अपने बयान में किसी विशेष संत, आश्रम या बागेश्वर धाम का नाम नहीं लिया। साध्वी हर्षानंद ने कहा कि सभी आश्रमों को गलत नहीं कहा जा सकता, लेकिन यदि किसी स्थान की सुरक्षा को लेकर संशय हो तो ऐसी जगह जाने से बचना बेहतर है। उन्होंने लोगों से आश्रमों की गतिविधियों और वहां की

राजनीति में उलझने के बजाय घर पर रहकर मंत्र जाप और पूजा-पाठ करने की बात कही।

यह बयान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की 3 अक्टूबर को की गई अपील के बाद आया है। शास्त्री ने श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं से अकेले धाम नहीं आने को कहा था। उन्होंने अकेले आने वाली महिलाओं को किसी अनजान व्यक्ति या धाम के सेवादार पर आंख मूंदकर

भरोसा नहीं करने की सलाह दी थी। उन्होंने श्रद्धालुओं से मंदिर परिसर और हॉल के अलावा अन्य स्थानों पर नहीं जाने तथा अपनी सुरक्षा और सामान की जिम्मेदारी स्वयं लेने की अपील की थी। शास्त्री ने कहा था कि बागेश्वर धाम के करीब पांच किलोमीटर क्षेत्र की पूरी सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी नहीं है। उन्होंने धार्मिक स्थलों पर हुई घटनाओं का हवाला देते हुए कहा था कि किसी अप्रिय घटना से धाम की छवि प्रभावित न हो।

देवड़ा-टेटवाल ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं मंत्री गौतम टेटवाल ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। विभागीय कार्रवाई से जुड़े प्रकरणों को शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। दोनों नेताओं ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त समस्याओं का गंभीरता से परीक्षण कर



प्राथमिकता के आधार पर समाधान का प्रयास किया जाएगा। आमजन को शासन

की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रानी दुर्गावती को अर्पित की पुष्पांजलि



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सोमवार को वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर लोकभवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने गोंडवाना साम्राज्य की महान शासिका रानी दुर्गावती को नमन किया। द्रव्स अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी रानी दुर्गावती को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पुरस्कार मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान ...

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में मप्र को राष्ट्रीय पुरस्कार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी पुरस्कार-2026 से प्रदेश को पुरस्कृत किया गया।

विश्व आवास दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने यह पुरस्कार प्रदान किया। राज्य शासन की ओर से नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के राज्य मिशन संचालक शिशिर गेमावत ने पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के



लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन तथा स्वीकृत आवसों की तुलना में सर्वाधिक पक्के आवसों का निर्माण पूरा कराने में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। एक लाख से कम

आबादी वाले नगरीय निकायों की श्रेणी में नगर पालिका परिषद वारासिवनी को भी लाभार्थी आधारित निर्माण घटक के अंतर्गत सर्वाधिक आवास पूर्ण करने पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि योजना से प्रदेश के लाखों वंचित और जरूरतमंद शहरी परिवारों का पक्के घर का सपना पूरा हुआ है। योजना का पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

राज्य मिशन संचालक शिशिर गेमावत ने बताया कि मध्यप्रदेश में योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत अब तक 10 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 9 लाख से अधिक निर्मित आवास हितग्राहियों को सौंपे जा चुके हैं। भूमिहीन पात्र परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टे भी वितरित किए गए हैं, जिससे वे योजना के लाभ से वंचित न रहें।